पं.क्र. (04/21/05/207665/19)

अन्तरा शब्दशक्ति
प्रकाशन एवं बहुउद्देशीय संस्था
www.antrashabdshakti.com

शब्द
से संवेदना तक...
लेखन से
परिवर्तन तक...

हिन्दी
हमारी पहचान
हमारी शक्ति

'समसामयिक प्रश्नों पर आपकी कलम'

(लेख प्रतियोगिता)

विचार...
चिंतन...
संवाद...
और
एक बेहतर
कल की ओर...

रचनाकार :-
डॉ. अंकित कुमार जैन वैद्य

आयोजक:-
अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन
वारासिवनी (म.प्र.)

पं.क्र. (04/21/05/207665/19)

अन्तरा शब्दशक्ति
प्रकाशन एवं बहुददेशीय संस्था
www.antrashabdshakti.com

कलम की शक्ति, समाज की दिशा

हिन्दी
हमारी पहचान
हमारी शक्ति

शब्द से संवेदन तक...
लेखन से परिवर्तन तक...

संपादक : डॉ. प्रीति समकित सुराना
तकनीकी संपादक : Webcoodee.com
मुख्य कार्यालय : 15 नेहरू चौक, वारासिवनी, जिला बालाधाट (म.प्र.) 481331

Antrashabdshaktiprakashan

संपर्क : 9009423393
ईमेल : antrashabdshakti@gmail.com
वेबसाइट : www.antrashabdshakti.com

वैधानिक सूचना

पुस्तक में प्रकाशित सभी रचनाएँ संबंधित रचनाकारों की मौलिक अभिव्यक्तियाँ हैं। प्रत्येक रचना में व्यक्त विचार, कथ्य एवं अभिमत के लिए संबंधित रचनाकार स्वयं उतरदायी हैं। रचनाओं के चयन एवं प्रकाशन का उद्देश्य साहित्यिक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करना एवं हिन्दी लेखन को प्रोत्साहित करना हैं।

हिन्दी
से ही है
पहचान...

विचार...
संवाद...
समाज...
और एक बैहतर कल...

पं.क्र. (04/21/05/207665/19)
अन्तरा शब्दशक्ति
www.antrashabdshakti.com
प्रकाशन एवं बहुद्देशीय संस्था

लेख प्रतियोगिता

लेखक/लेखिका - डॉ. अंकित कुमार जैन वैद्य

सिद्ध क्षेत्र फलहोडी बड़ागाँव (धसान) स्थित भाजनांग बाबरी

: एक अतिशय

सिद्ध क्षेत्र फलहोडी बड़ागाँव (धसान) स्थित भाजनांग बाबरी : एक अतिशय

भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर

भारत, जिसका नाम भगवान आदिनाथ के प्रथम चक्रवर्ती पुत्र भरत के नाम से पड़ा और उनके 98 पुत्रों के नाम पर भारत के 98 प्रदेशों के नाम रखे गए। इस भारत देश में कई संस्कृतियाँ जन्मीं। भारत के 98 प्रदेशों में दर्शार्ण और चेदि प्रदेशों का भी उल्लेख मिलता है, जो भारत का हृदय स्थल बुंदेलखंड भी कहलाता है। वर्तमान में इसकी प्रसिद्धि कुछ मध्य प्रदेश और कुछ उत्तर प्रदेश के रूप में विश्वविख्यात है।

इसी बुंदेली भूमि पर प्राकृतिक वातावरण से आच्छादित धसान नदी के किनारे बसा हुआ एक नगर, जिसे बड़ागाँव धसान कहते हैं, अवस्थित है।

यह बड़ागाँव, जिसे फलहोडी बड़ागाँव नाम से भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में जिला मुख्यालय से 29 किलोमीटर की दूरी पर बसा हुआ है, जहाँ सड़क मार्ग से सतत वाहन उपलब्ध हैं।

इस सिद्ध क्षेत्र फलहोडी की महिमा को जितना लिखा जाए, उतना कम है। दर्शनीय और वंदनीय स्थल होने के साथ-साथ यह चमत्कार स्थल भी रहा है, और इसका जीता-जागता उदाहरण है भाजनांग बाबरी।

1) ऐतिहासिक बाबरी का नाम

यहाँ की भाजनांग बाबरी वर्तमान में लगभग 30 फीट गहरी है।

2) बाबरी का पता, तहसील, जिला, राज्य एवं पिन कोड

यह बाबरी हमारे भारत देश के मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर, सिद्ध क्षेत्र फलहोडी बड़ागाँव (धसान) में बस स्टैंड पर स्थित है, जहाँ का पिन कोड 472010 है।

गोलाकार बाउंड्री सहित, गहराई में जाने हेतु क्षतिग्रस्त सीढ़ियाँ और मलयुक्त जल हम सभी से चीखकर जैसे कह रहे हों, "कि मैं भी एक संस्कृति हूँ, मेरा भी एक विशेष स्थान और इतिहास रहा है। मुझे जीर्ण-शीर्ण होने से बचाओ।"

भाजनांग अर्थात भजन-साधना या तपस्थली भी कह सकते हैं, और इस स्थल पर अगणित साधनाओं के प्रमाण भी प्राप्त होते रहते हैं।

जल, जो पवित्र और औषधीय गुणों से संपन्न होता है, ऐसे मीठे जल की सतत प्रवाहित तरंगिणी धसान नदी, पोखरना पुष्कर ताल, नरोसा नाला और भाजनांग बाबरी आदि कई स्रोत इस भूमि पर जल संसाधन के रूप में रहवासियों को वरदानस्वरूप प्राप्त हैं।

3) बाबरी का ऐतिहासिक महत्व एवं इतिहास

विशेष इतिहास के बारे में यदि बात की जाए, तो पूर्वजों की किंवदंतियों के अनुसार, नगर में होने वाले उत्सवों में बर्तन आदि सामग्री की उपयोगिता तो रहती ही थी। संबंधित व्यक्ति इस बाबरी के पास एक सामग्री की सूची लेकर जाते थे और उसे बाबरी में डाल देते थे। सूची में लिखा हुआ सामान ऊपर आ जाता था और संबंधित व्यक्ति उस सामान को ले जाकर उपयोग करता था। उपयोग के बाद उसी बाबरी में विसर्जित कर देता था, जिससे समय आने पर दूसरे लोग भी लाभ ले सकें।

कहानी के अंत को दो रूपों में सुनने में आता है। पहला तो यह कि कोई व्यक्ति बर्तन आदि ले आया, किंतु वापस नहीं किए, इसलिए अतिशय समाप्त हो गया। दूसरा यह कि कालांतर में काल के प्रभाव से यह अतिशय समाप्त हो गया।

इसे इस क्षेत्र में बाबरी कल्प, ठाठी बेर, भाजनांग बाबरी आदि नामों से भी जाना जाता है।

ठाठी अर्थात बर्तन, बेर यानी बाबरी। भाजनांग अर्थात भोग और उपभोग सामग्री। बाबरी अर्थात बाबरी, तो बर्तन शब्द हो या भोगोपभोग सामग्री, संकेत तो वही कर रही है।

कल्प भी जैसे कल्पवृक्ष अर्थात इच्छित वस्तु देने वाले वृक्ष होते हैं, वैसे ही यह बाबरी भी इच्छित फल देने वाली थी। इसलिए बाबरी कल्प भी कहलाती थी।

चूँकि यह किंवदंती है, फिर भी शोध का विषय है। इस नगर से पश्चिम दिशा की ओर लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर भी एक बाबरी कल्प है और यह बाबरी जहाँ पर है, वह क्षेत्र अतिशय क्षेत्र पपोरा के नाम से विश्वविख्यात है।

हमें इन प्राचीन धरोहरों का संरक्षण करना चाहिए, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियाँ भी हमारी प्राचीन संस्कृति को समझ सकें।

4) बाबरी की कलाकृति का वर्णन

गोल संरचना, जिसमें घुमावदार सीढ़ीनुमा संरचना है। इसमें 30 सीढ़ियाँ हैं।

5) धार्मिक आस्था

यह बाबरी कल्प के नाम से प्रसिद्धि को प्राप्त है। पास में ही दो शिव मंदिर एवं माता भद्रकाली का भी मंदिर है।

6) यहाँ पहुँचने हेतु मार्ग

यदि वायु मार्ग की बात करें, तो किसी भी हवाई अड्डे से ट्रेन मार्ग द्वारा सागर, टीकमगढ़, छतरपुर एवं झाँसी रेलवे स्टेशनों से बस सेवा उपलब्ध है।

ट्रेन से आने वाले यात्री सागर, छतरपुर एवं टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन पर उतरकर सड़क मार्ग से बड़ागाँव आ सकते हैं।

यह स्थान सागर से 110 किलोमीटर, टीकमगढ़ से 30 किलोमीटर, ललितपुर से 90 किलोमीटर और छतरपुर से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित है।

- डॉ. अंकित कुमार जैन वैद्य

लेखक परिचय

नाम – डॉ. अंकित कुमार जैन वैद्य

ग्राम - बड़ागाँव (धसान), जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश

पं.क्र. (04/21/05/207665/19)

अन्तरा शब्दशक्ति

www.antrashabdshakti.com

प्रकाशन एवं बहुद्देशीय संस्था

अन्तरा शब्दशक्ति

प्रकाशन

कलम की शक्ति, समाज की दिशा

सम्मान-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि

आ. **डॉ. अंकित कुमार जैन वैद्य** जी

ने हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर आयोजित "**एक लेख प्रतियोगिता**" में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए **समसामयिक विषय पर अपने विचारों को** प्रभावी एवं सार्थक ढंग से अभिव्यक्त किया।

उनकी साहित्यिक **अभिव्यक्ति** एवं रचनात्मक सहभागिता की सराहना करते हुए **अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन** की ओर से यह **सम्मान-पत्र** सादर प्रदान किया जाता है।

आपकी सृजनशीलता एवं साहित्यिक यात्रा के उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिन्दी विचारों को विस्तार देती है... समाज को जोड़ती है...

हिंदी
हमारी पहचान...
हमारी शक्ति...

प्रीति सुराना

समकित सुराना

अन्तरा शब्दशक्ति प्रकाशन एवं संस्था

डॉ. प्रीति समकित सुराना

शब्द से संवेदन तक... लेखन से परिवर्तन तक...